Mark 10:17-27
मरकुस १० : १७- २७

Better Than Resolutions
संकल्प से बेहतर

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

1.1.17
१. १. १७

Introduction: The religion of "Try Harder"
प्रस्तावना : "कोशिश करने" का धर्म

Key Question: What is better than resolutions to "try harder" as a way of approaching God and navigating life?
मुख्या सवाल : कोशिश करने" के धर्म क्या बेहतर है जिससे हम परमेश्वर को खोजते है जीवन जीने के लिए

We first must consider what is on the surface of the passage:
हमे वचन के ऊपर ध्यान देना चाहिए:

1 Great Opportunity (v17)
महान मौक़ा (व् १७)

A. Great Opening
महान प्रारंभण
B. Great Attitude
महान अभिवृत्ति
C. Great Question
महान सवाल
Ideal Evangelism
आदर्श इंजीलवाद
But we know something is not right by...
प्रभु येशु के जवाब से हम समझते है की कुछ ठीक नहीं है....

1. Jesus' response
प्रभु येशु का जवाब
2. Mans response
आदमी का जवाब

- Reflects the human reflex of "try harder religion

मानव स्वभाव बताता है की " कोशिश करो
- Reflects the human religion we all resent
मानव धर्म बताता है जो हमे पसंद नही

II. A Great Obligation (v19)
महान कर्तव्य (व् १९)

A. Jesus' response to the Man's Greeting: only God is Good (v17-18)
प्रभु यीशु का जवाब : सिर्फ परमेश्वर उत्तम है (व् १७-१८)

B. Jesus' response to the Man's Question: Follow Commands (v19)
प्रभु यीशु का जवाब : तू आज्ञाओं को मानता है ((व् १९)

C. Man's response to Jesus: I have done all (v20)
मनुष्य का जवाब : सब को मैं मानता आया हूं

D. Jesus' response to god/man: One thing more (v21)
प्रभु यीशु का अच्छे मनुष्य को जवाब : तुझ में एक बात (v २१)
Instruction: give away wealth
अनुदेश : अपना धन दे दो
Intention: Expose heart idols
उद्देश्य : हिरध्य की मूर्ति को निकलना

Now consider what is beneath the surface of the passage
अब बाइबल वचन के अंदर ध्यान देना है

III. The Great Objectives
महान उद्देश्य

A. Only God is Good (v18)
केवल परमेश्वर उत्तम है

B. Only God is God

C. केवल परमेश्वर उत्तम है

D. Only Grace will Do
सिर्फ कृपा चाहिए

- providing Goodness we need (v21 -> v33+34)
परमेश्वर की भलाई चाहिए (व् २१->३३+३४)

- providing the Power we need (v 24-27)
परमेश्वर का सामर्थ्य चाहिए (व् २४-२७)

-providing the Desires we need (v21)
हमारी इच्छाएं पूरी करता है (व् २१)